तापमान
अधिकतम 36 .3 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 8 मार्च 2026

10 पीएम और सीएम सैनी प्रदान कर रहे नई दिशा : मदान

11 धूमधाम और उमंग के साथ मनाया वार्षिकोत्सव

खबर संक्षेप

महिला दिवस पर क्रिकेट खिलाड़ी अदिति श्योराण होंगी सम्मानित

गन्नौर। गांव दुभेटा की 16 वर्षीय क्रिकेट खिलाड़ी अदिति श्योराण को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार की ओर से राज्य स्तरीय सम्मान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी 8 मार्च को सिरसा में आयोजित समारोह में अदिति को म्हारी बेटियां म्हारा गौरव सम्मान, प्रशंसा पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान करेंगे। सिरसा स्थित चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बेटियों को सम्मानित किया जाएगा।

दुकान से नकदी चुराने का आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस ने दुकान से रुपये चोरी करने की घटना मे संलिप्त आरोपित गोहाना की कबीर बस्ती निवासी मोनू पुत्र नरेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश करके उसके आदेश पर उसे जेल भेज दिया। गोहाना में गुढ़ा चुंगी निवासी देवेन्द्र पुत्र भगवान की दुकान में चोरी कर ली गई थी। देवेन्द्र शौचालय के लिए गया था तब पीछे से चोरों ने दुकान के गल्ले से दस हजार रुपये चुरा लिए थे। इस संदर्भ में दुकानदार द्वारा थाना शहर गोहाना में शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने आरोपी से कुछ नकदी भी बरामद की।

युवक से मारपीट के आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। गांव निजामपुर में रास्ता रोककर युवक से तीन लोगों ने मारपीट की। युवक अपने पुराने घर से नए घर जा रहा था। उसे बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल में रेफर किया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। रवि ने पुलिस को बताया कि वह बैंक से लोन दिलाने का काम करता था। लगभग तीन वर्ष पहले ताश के पत्ते खेलते समय उसका गांव के समुंद्र के साथ झगड़ा हो गया था। इसके बाद दोनों में बोलचाल बंद थी। वह अपने पुराने घर से नए घर की तरफ जा रहा था। रास्ते में समुंद्र व उसके पिता मलकराम ने उसका रास्ता रोक लिया। उसे डंडे और थप्पड़-मुक्कों से पीटा गया। इसी दौरान अमरजीत भी पहुंच गया, जिसने उसके साथ मारपीट की। वह बेहोश होकर गिर पड़ा। बाद में उसका भाई उपचार के लिए अस्पताल लेकर आया। मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है।

घरौंडा में चिकित्सक से अभद्र व्यवहार के मामले ने तूल पकड़ा, 135 चिकित्सक धरने पर

ओपीडी बंद होने से इलाज के लिए भटकते रहे मरीज, घंटों इंतजार करने के बाद निराश लौटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

करनाल के घरौंडा सीएचसी में दो दिन पहले पुलिस कर्मी के चिकित्सक से अभद्र व्यवहार का मामला अब प्रदेशभर में तूल पकड़ने लगा है। मामले को लेकर गुस्साए चिकित्सकों ने शनिवार को दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल के अलावा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी बंद रखी। ऐसे में अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उपचार नहीं मिलने के कारण मरीज वापस लौटने को मजबूर हुए। ऐसे में जिलाभर में शनिवार को स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रही, उधर मरीज अपने इलाज को तरसते रहे। जिला के नागरिक अस्पताल में रोजाना करीब 1800 मरीज अपना इलाज करवाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा सभी स्वास्थ्य केंद्रों को मिलाकर बात करें तो रोजाना करीब 3000 से ज्यादा लोग सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ रहे हैं। वहीं शनिवार को चिकित्सकों के सेवाएं नहीं देने व ओपीडी बंद रहने से किसी मरीज को उपचार नहीं मिल सका। जिले के नागरिक अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात 135 से ज्यादा सरकारी चिकित्सकों ने अपनी ओपीडी छोड़कर धरना दिया। वहीं, सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्सना ने स्टेशन लीव रद्द किए। बता दें कि करनाल के घरौंडा स्थित सीएचसी में चिकित्सक से पुलिस कर्मी ने दो दिन पूर्व अभद्र व्यवहार किया था। इसके विरोध में हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) के आह्वान पर चिकित्सकों ने शनिवार को जिलाभर के सरकारी अस्पतालों में हड़ताल कर धरना दिया।

- जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रतिदिन की 3000 से ज्यादा की ओपीडी

आपातकालीन सेवाएं रही जारी

नागरिक अस्पताल में जहां चिकित्सकों ने ओपीडी नहीं लगाई, वहीं अस्पताल में आपातकालीन, पोस्टमार्टम सेवाएं व लेबर रूम सेवाएं जारी रही। इसके अलावा शनिवार को नागरिक अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों में अन्य दिनों के अपेक्षा चहल-पहल का माहौल नजर नहीं आया। सामान्य ओपीडी सेवाएं प्रभावित रहीं, इस दौरान उपचार कराने आए मरीज व उनके तीमारदार ओपीडी शुरू होने का इंतजार करते रहे।

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में धरने पर बैठे चिकित्सक।

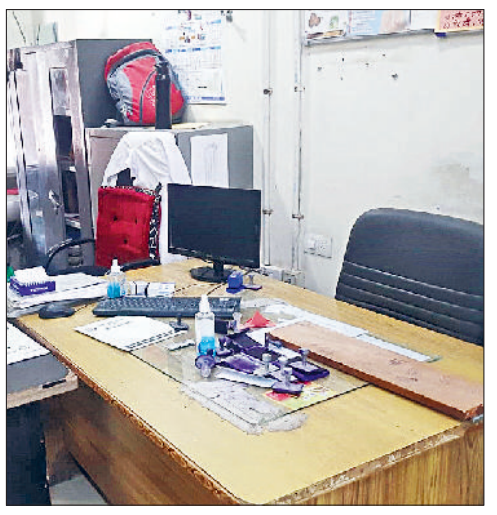

सोनीपत। अस्पताल में चिकित्सक कक्ष में खाली पड़ी कुर्सियां।

ओपीडी काउंटर के बाहर बैठे रहे मरीज

नागरिक अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के बाधित होने से दूरदराज के क्षेत्रों से अपना इलाज करवाने के लिए आए मरीजों को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीज इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। ओपीडी व ओपीडी काउंटर के बाहर बैठकर कुछ मरीज उपचार के लिए इंतजार करते रहे, लेकिन चिकित्सकों की हड़ताल के चलते कोई भी ओपीडी नहीं चल सकी। इसके चलते मरीज काफी परेशान होने के बाद वापस अपने गंतव्य को लौट गए। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा।

गोहाना में चिकित्सकों ने रखी पेन डाउन हड़ताल

गोहाना। करनाल के घरौंडा में चिकित्सक और पुलिस के विवाद के लेकर शनिवार को नागरिक अस्पताल गोहाना में चिकित्सकों ने पेन डाउन हड़ताल की। किसी भी चिकित्सक ने ओपीडी में मरीजों की जांच नहीं की। इसके चलते मरीज परेशान हुए और बीमार उपचार कराए ही वापस लौटने पर मजबूर हुए। नागरिक अस्पताल में कुल नौ चिकित्सक हैं। हड़ताल में सभी चिकित्सक शामिल हुए। चिकित्सकों ने पेन डाउन हड़ताल की। हड़ताल के दौरान अधिकतर चिकित्सक अपनी सीटों पर भी नहीं बैठे। अस्पताल में उपचार के लिए आए मरीज ओपीडी वार्ड में गए तो वहां चिकित्सक नहीं मिले। मरीज इधर-उधर घूमते रहे और परेशान होकर लौटने पर मजबूर हुए। एसएमओ डा. संजय छिक्कारा ने कहा कि आपातकालीन सेवाएं चालू रहीं। चिकित्सकों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की।

एसएचओ के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग हुई तेज

खरखौदा में रजिस्ट्रेशन काउंटर रहा बंद

खरखौदा। करनाल में एक चिकित्सक के साथ हुई मारपीट के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में चिकित्सकों के संगठनों ने संबंधित एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी और इसके लिए शनिवार सुबह 9 बजे तक का समय पुलिस प्रशासन को दिया गया था। निर्धारित समय तक कार्रवाई नहीं होने पर प्रदेशभर के चिकित्सक हड़ताल पर चले गए। चिकित्सकों की हड़ताल का असर खरखौदा के नागरिक अस्पताल में भी देखने को मिला, जहां शनिवार को ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद रहीं।ओपीडी बंद होने के कारण इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अनेक मरीजों को बिना उपचार के ही वापस लौटना पड़ा। हालांकि अस्पताल में आयुष विभाग, दंत चिकित्सक तथा इमरजेंसी सेवाएं चालू रहीं, जिससे गंभीर मरीजों का इलाज जारी रखा गया। इस संबंध में सीएमओ डॉ. जितेंद्र रंगा ने बताया कि करनाल की घटना के विरोध में चिकित्सकों के हड़ताल पर जाने के कारण खरखौदा उपमंडलीय नागरिक अस्पताल में ओपीडी सेवाएं बंद रही हैं। हालांकि अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं, ताकि गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ककरोई रोड पर चला स्वच्छता अभियान

सोनीपत। नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में ककरोई रोड पर 35वां साप्ताहिक सफाई अभियान चलाया गया। ककरोई चौक से सूरी पेट्रोल पंप वाली गली के मोड़ तक कूड़ा उठाया गया। सेक्टर 23 के पास हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लाट में भारी मात्रा में कचरा पड़ा मिला, जहां जेसीबी मशीन से कूड़ा उठवाया गया। अभियान में नकिन मेहरा, सुरजीत दहिया, जोगेंद्र, विकास, ब्रह्मप्रकाश राठी, शैलेंद्र तोमर, विक्की, दीपक पांचाल, संदीप, मोनू, जतिन मौजूद रहे।

गोहाना शहर में जल्द बनेंगे पिंक टॉयलेट : चेयरपर्सन

गोहाना। शहर को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में नगर परिषद (नप) द्वारा एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए वार्ड नंबर 13 में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवाया गया है। इससे लोगों को शौचालय संबंधी सुविधा मिलेगी। शनिवार को नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन किया। नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि शहर में स्वच्छता और जनसुविधाओं को मजबूत करने के लिए नप निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आने वाले समय में शहर के विभिन्न स्थानों पर पिंक टॉयलेट

और सामान्य सार्वजनिक शौचालय भी बनाए जाएंगे। इनमें मदन लाल धींगड़ा पार्क के पास, महावीर चौक के पास तथा महम रोड सहित कई स्थान शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड नंबर 13 की पार्षद भगवती सुनील राजपाल ने की। इस अवसर पर वार्ड के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोहाना को विकास कार्यों की सौगातें देंगे सीएम

गोहाना। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि 29 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गोहाना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली को संबोधित करेंगे और क्षेत्र को विकास की नई सौगात देंगे। इस रैली के लिए ग्रामीणों को आमंत्रित करने की शुरुआत गोहाना विधानसभा के गांव बिधल से की गई। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए जनता-जनार्दन का भरोसा जीता है। सरकार ने बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और योग्य युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची के सरकारी नौकरियां देकर एक नई मिसाल कायम की है। इसके साथ ही तबादला उद्योग पर ताला लगाकर सरकार ने हर वर्ग का दिल जीता है। मंत्री ने कहा कि हमारा फर्ज बनता है कि नायब सरकार में अपनी योग्यता के दम पर नौकरी पाने वाले बेटे-बेटियों का सम्मान करें। यह रैली 29 मार्च को गोहाना की नई सब्जी मंडी परिसर में दोपहर 1 बजे आयोजित होगी। इस अवसर पर मार्किट कमेटी गोहाना चेयरमैन कृष्ण सैनी, सरपंच पूनम मलिक, सरपंच प्रतिनिधि जोगेन्द्र मलिक, पूर्व सरपंच करतर मलिक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित रहे।

29 को विकास व धन्यवाद रैली : शर्मा

सहकारिता मंत्री ने गांव बिधल में करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए आधा दर्जन विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें सोनीपत मार्ग से युद्धवीर मलिक (सेवानिवृत्त आईएएस) के खेत तक मार्ग निर्माण, गांव की फिरनी का निर्माण, एससी शिवधाम में लोहे का शेड और फर्श निर्माण, प्राइमरी स्कूल में प्रार्थना सभा मैदान और शौचालयों का निर्माण तथा बड़े तालाब पर गऊ घाट का निर्माण शामिल है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों की सख्ती से होगी पालना, उल्लंघन करने पर लगेगा जुर्माना

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने निगम व पालिकाओं को पत्र भेजा

डोर-टू-डोर कूड़ा उठान व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने, सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के मानकों को बनाए रखने एवं राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिकाओं को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के क्षेत्रीय कार्यालय, सोनीपत ने पत्र जारी कर नगर निगम सोनीपत, नगर परिषद गोहाना, नगर पालिका गन्नौर, खरखौदा व कुंडली को हिदायत दी है कि वह अपने क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। अन्यथा उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा। सफाई की लचर व्यवस्था से शहरवासियों को अकसर परेशानी का सामना करना पड़ता है। कभी विभिन्न जगह लगे कूड़े के ढेर, नियमित सफाई न होने व कूड़ा उठान में लापरवाही बरतने, डेयरी संचालकों के सीवर में गोबर डालने, फैक्टरियों का दूषित पानी सीधे जमीन के अंदर छोड़ने या बाहर खुले में बहाने, सीवर का पानी बिना शोधित किए ड्रेन में छोड़ने संबंधी मामले

सोनीपत। आईटीआई के पास लगा कूड़े का ढेर।

समय-समय पर उजागर हो रहे हैं। ऐसे कार्यों से सरेआम राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन हो रही है। अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई शून्य समान है। अब हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए अपना कड़ा रुख किया है, ताकि जिले की सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जा सके। जारी निर्देशों में हिदायत दी गई है कि शहरों में कचरे का नियमित उठान करवाया जाए, वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण व कहीं भी खुले में कचरा डंपिंग नहीं होना चाहिए।

गंदगी फैलाने पर 50000 रुपये तक जुर्माना

अधिकारियों की मानें तो अनाधिकृत स्थानों, सड़कों, नदियों, जलमार्गों, नालों, पंचायत या राजस्व भूमि, सार्वजनिक परिवहन विभाग व अन्य विभिन्न प्राधिकरणों के स्वामित्व वाली जमीन पर ठोस अपशिष्ट का कूड़ा फेंकना, डंप करना प्रतिबंधित रहेगा। उल्लंघन करने वालों से पहली बार में 5000 रुपये, तो दूसरी बार 10000 रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा वसूला जाएगा। इसके अलावा थोक अपशिष्ट उत्पादक, रियायतकर्ता, शहरी स्थानीय निकाय या जिम्मेदार व्यक्ति पर कूड़ा फेंकने, डंप करने पर पहली बार 25000 , दूसरी बार 50000 रुपये का मुआवजा वसूला जाएगा। निगम आयुक्त व संबंधित अधिकारी उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने के लिए अधिकृत रहेंगे।

नोडल अधिकारी नियुक्त

उल्लंघनकर्ताओं से वसूली गई मुआवजा राशि को नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिका के पास जमा करवाया जाएगा। भुगतान न करने वालों से सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार भू-राजस्व के बकाया के रूप में उक्त राशि को वसूल करेंगे। इसके बाद मुआवजा राशि का ठोस अपशिष्ट के उचित प्रबंधन पर खर्च किया जाएगा। साथ ही लोगों की जागरूकता के लिए अधिकारियों को शहरी स्थानीय निकाय के उपयुक्त स्थानों पर होर्डिंग्स व बैनर आदि के माध्यम से पर्याप्त प्रचार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। योजना को सिरे चढ़ाने के लिए एचएसपीसीबी की ओर से अनिल कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एनजीटी के निर्देशों की अवहेलना सहन नहीं करेंगे

एनजीटी के निर्देशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित निकायों के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने सहित आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह आदेशों की समयबद्ध अनुपालना सुनिश्चित करते हुए इसकी रिपोर्ट संबंधित विभाग को भेजें, ताकि जिले में स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के मानकों को बनाए रखा जा सके।
-सुशील सारवान, उपायुक्त, सोनीपत

लापता सफाई कर्मचारी का शव मिला, हत्या की आशंका

खरखौदा। एक सफाई कर्मचारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में एनएच 334 बी सड़क किनारे गांव झरोठी के खेतों में पड़ा मिला है। प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस व एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक युवक की पहचान विजय के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार विजय होली वाले दिन से लापता था और उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट भी थाना खरखौदा में दर्ज कराई गई थी। सड़क किनारे शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम यूनिट मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और मामले को सुलझाने के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। मृतक की पहचान ककरोई निवासी 30 वर्षीय विजय के रूप में हुई है। वह पिछले करीब 5 वर्षों से नगर निगम सोनीपत में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। परिजनों के अनुसार विजय 4 मार्च को घर से निकला था जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद परिवार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना में दर्ज करवाई थी।

गर्दन के पीछे निशान खाल उतरी मिली

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। एसीपी राजदीप का कहना है कि विजय चार मार्च से लापता था। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट का मामला खरखौदा थाना में दर्ज किया गया था। उसके बाद से लगातार पुलिस तलाश कर रही थी। जहां विजय का शव गांव झरोठी के खेतों में मिला है। शव पर गर्दन के पीछे निशान, कुले की खाल उत्तरी मिली है। शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

खबर संक्षेप

फंदा लगाने से महिला की मौत

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में फंदा लगाने से एक महिला की मौत हो गई। मानसिक परेशानी से तंग आकर महिला द्वारा यह कदम उठाए जाने की बात सामने आई है। शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। मृतका की पहचान करीब 25 वर्षीय गुड़िया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रवासी मूल की गुड़िया परिवार सहित यहां छोटूराम नगर में रह रही थी और दो बच्चों की मां थी। शुक्रवार को वह फंदे पर लटकी देखी गई।

सीएम को गुमराह कर रहे अधिकारी

बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने एक बार फिर अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भू-माफियाओं द्वारा बहादुरगढ़ में धड़ल्ले से अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। बालौर गांव के रकबे में काटी जा रही अवैध कॉलोनी का मुद्दा विधानसभा में भी गूंजा था। बार-बार शिकायत भी दी गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला लापता

बहादुरगढ़। शहर की निवासी एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। परिजन तमाम संभावित ठिकानों पर उसको तलाश चुके हैं लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता-पता नहीं है। पुराना नजफगढ़ रोड स्थित एक बस्ती के निवासी धर्मबीर सिंह का कहना है कि उसकी पत्नी करीब 28 वर्षीय नेहा पांच मार्च को घर से बाहर गई थी लेकिन वापस नहीं आई।

जिले में 71 केंद्रों पर हुई परीक्षा, नकल का कोई मामला नहीं आया सामने

13628 विद्यार्थियों ने दी वैकल्पिक विषयों की परीक्षा, 140 अनुपस्थित

- 10वीं के छात्रों ने संस्कृत, कला, गृह विज्ञान, कृषि, कंप्यूटर साइंस, शारीरिक शिक्षा, संगीत विषय की परीक्षा दी।
- केंद्रों के बाहर विद्यार्थियों व अभिभावकों की भीड़ रही, कड़ी जांच के बाद विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश मिला।

शिक्षा अधिकारियों व उड़नदस्ता टीमों ने किया केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिला में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) की कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का दौर जारी है। एचबीएसई की ओर से बनाए गए 71 केंद्रों पर शनिवार को कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने संस्कृत, कला, गृह विज्ञान, कृषि, कंप्यूटर साइंस, शारीरिक शिक्षा, संगीत विषय की परीक्षा दी। परीक्षा में 140 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। हालांकि जिलाभर में शनिवार को नकल संबंधी कोई मामला सामने नहीं आया। परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

इस वर्ष जिले में एचबीएसई के तहत 31104 विद्यार्थी परीक्षाएं देकर अपना भाग्य आजमा रहे हैं। एचबीएसई बोर्ड परीक्षा के अंतर्गत जिलाभर में 71 केंद्रों पर कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने वैकल्पिक विषय की परीक्षाएं दी। सभी केंद्रों पर कक्षा 10वीं के पंजीकृत 13768 विद्यार्थियों में से 13628 ने कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच सीसीटीवी की निगरानी में पेपर दिया, जबकि 140 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

इस दौरान नकल को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों व गठित 7 उड़नदस्ता की टीमों ने परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण किया। परीक्षा को लेकर केंद्रों पर चहल-पहल का माहौल रहा। सुबह से लेकर दोपहर तक केंद्रों के बाहर विद्यार्थियों व अभिभावकों की भीड़ रही। कड़ी जांच के बाद सुबह 11:30 बजे के बाद विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। केंद्रों के बाहर जहां काफी पुलिस बल तैनात रहा। परीक्षा दोपहर साढ़े 12 बजे से साढ़े 3 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों की गहन जांच के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों के आसपास की फोटो स्टेट की दुकानों को भी बंद रखा गया।

सोनीपत। मुरथल अड्डा स्थित परीक्षा केंद्र के गेट पर चस्पा सूची में अपना रोल नंबर देखते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा विभाग भी पूरी तरह सतर्क

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से शनिवार को कक्षा 10वीं के वैकल्पिक विषयों की परीक्षा रही। परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न करवाई गई। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर पूर्ण रूप से शांति बनी रही। नकल को रोकने के लिए बोर्ड के साथ जिला शिक्षा विभाग भी पूरी तरह सतर्क है।

- नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

700 महिलाओं और 50 पूर्व छात्राओं को किया पुरस्कृत

गन्नौर। समाजसेविका रानी कादियान व अनीता कादियान नारी वंदन कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- बेटियां बोझ नहीं, परिवार और देश का गौरव : रानी कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को निजी स्कूल में नारी वंदनम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली करीब 700 महिलाओं और सरकारी पदों पर आसीन स्कूल की 50 पूर्व छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को सराहा गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र कादियान की धर्मपत्नी एवं समाजसेविका रानी कादियान रहीं। जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर आईसीएस चेयरपर्सन बबीता त्यागी, समाजसेविका अनिता कादियान और सुदेश धनखड़ मौजूद रही। स्कूल पहुंचने पर प्रबंधन समिति द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर और बुके भेंट कर स्वागत किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

महिलाओं को संबोधित करते हुए रानी कादियान ने कहा, आज की नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह पूरे समाज और आने वाली पीढ़ी को नई दिशा देती है। नारी वंदनम जैसे कार्यक्रम महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम करते है। कार्यक्रम समापन पर स्कूल मैनेजर , डायरेक्टर और प्रिंसिपल ने मेहमानों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एआई आधारित विभिन्न डिजिटल टूल्स और उनके शैक्षणिक उपयोग के बारे में बताया

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लासरूम विषय पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल में सीबीपी (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) के अंतर्गत "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लासरूम" विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग से अवगत कराना तथा शिक्षण प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावशाली बनाना रहा। कार्यक्रम में मोनिका बत्रा और दलजीत कौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। व्याख्यान और प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षकों को बताया कि कक्षा शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से पढ़ाई को किस प्रकार अधिक प्रभावी, रोचक और छात्र-केन्द्रित बनाया जा सकता है। वक्ताओं ने एआई आधारित विभिन्न डिजिटल टूल्स और उनके शैक्षणिक उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

गन्नौर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लासरूम कार्यशाला के प्रतिभागी शिक्षक।

नारी समाज की शक्ति व प्रेरणा का प्रमुख स्रोत : कृति

सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ऋषिकुल विद्यापीठ स्कूल में महिला सशक्तिकरण की ओर से सभी महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बताया कि यह दिवस नारी शक्ति, सम्मान व उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। उपप्रधानाचार्य कृति चौधरी ने कहा कि नारी समाज की शक्ति व प्रेरणा का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षा व आत्मविश्वास के बल पर महिलाएं आज हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रही हैं। मिडिल विंग इंचार्ज निशा शर्मा ने महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नारी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वहीं प्राइमरी विंग इंचार्ज सुरभि धामा ने बेटियों को बचपन से समान अवसर व प्रोत्साहन देने पर बल दिया, ताकि वह अपने सपनों को साकार कर सकें। ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने कहा कि महिलाएं धैर्य, साहस, करुणा की प्रतीक हैं। समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि समाज की उन्नति का मूल आधार है। जब महिलाएं शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती हैं, तब परिवार, समाज व राष्ट्र सभी प्रगति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ स्कूल में मौजूद प्रबंधन व स्टाफ सदस्य।

आर्य समाज मंदिर में मुसाफिर पंडित लेखराम का मनाया बलिदान दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शांति नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में धर्मवीर आर्य मुसाफिर पंडित लेखराम आर्य का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान हरिचंद स्नेही ने की। मुख्य वैदिक प्रवक्ता आचार्य संदीप दर्शनाचार्य ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। मंच संचालन महासचिव शुभम आर्य ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य आयुष आर्य के ब्रह्मत्व में यज्ञ करके किया गया। यज्ञोपरांत संगीत रत्ना सविता आर्य ने पंडित लेखराम की जीवनी को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत करके भावविभोर किया। आचार्य धर्मवीर, आचार्य संदीप श्रेयार्थी, आचार्य दिलीप आर्य ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सुनीता अरोड़ा व मनोहर बत्रा ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वैदिक प्रवक्ता आचार्य संदीप दर्शनाचार्य ने पंडित लेखराम आर्य की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म महाराजा रणजीत सिंह के वंशज पिता ताराचंद व माता भाग्य भरी के परिवार में अप्रैल 1858 में हुआ। जन्म से ही वह महर्षि स्वामी दयानंद से प्रभावित रहे।

सोनीपत। आर्य समाज मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद आर्यजन व बच्चे।

कार निर्माता कंपनी ने स्कूल को सौंपे दो क्लासरूम व चारदीवारी

खरखौदा। कमरों का समारोहपूर्वक हस्तांतरण करते कंपनी अधिकारी।

- चारदीवारी का औपचारिक हस्तांतरण समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

उपमंडल खरखौदा के गांव सोहटी के ग्रामीण अंचल में शिक्षा की नींव को मजबूत करने और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सराहनीय कदम उठाया है। गांव सोहटी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कार्यक्रम के तहत नवनिर्मित दो आधुनिक क्लासरूम और विद्यालय की सुरक्षा के लिए बनाई गई चारदीवारी का औपचारिक हस्तांतरण समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ।

राजकीय उच्च विद्यालय सोहटी में मारुति सुजुकी ने न केवल 2 नए कमरों का निर्माण कराया, बल्कि पूरे विद्यालय परिसर को सुरक्षित करने के लिए मजबूत चारदीवारी का निर्माण भी सुनिश्चित किया। इन क्लास रूम्स को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के अनुरूप तैयार किया गया है। प्रत्येक कमरे में उच्च गुणवत्ता वाली लाइटिंग, पंखे और विद्यार्थियों के बैठने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए मजबूत बेंचों की व्यवस्था की गई है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता का खास ध्यान रखा गया है ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित, टिकाऊ और प्रेरणादायक वातावरण मिल सके। शिक्षा जगत के जानकारों का मानना है कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का सीधा प्रभाव बच्चों की सीखने की क्षमता और स्कूल में उनकी उपस्थिति पर पड़ता है।

ये रहे मौजूद

शिक्षा विभाग की ओर से पूर्व जिला परियोजना संयोजक सुजाता खत्री, पूर्व प्रिंसिपल रामपाल शर्मा और विद्यालय इंचार्ज जितेन्द्र राणा उपस्थित रहे। इस अवसर पर गांव की महिला सरपंच बबीता ने मारुति सुजुकी के प्रयास को सराहा। कहा कि मारुति सुजुकी द्वारा किया ये सहयोग केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि हमारे बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए जब निजी क्षेत्र आगे आता है।

ककरोई में बैठक कर उठाई महिलाओं की आवाज, तैयार किया 20 सूत्रीय मांग पत्र

- अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला कमेटी ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला कमेटी ने गांव ककरोई में महिलाओं की मांगों को लेकर बैठक कर चर्चा की। गांव ककरोई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर चौपाल में बैठक की गई, जिसकी अध्यक्ष अध्यक्षता ब्लॉक समिति मेंबर सीटू की प्रधान अनीता, हरियाणा विज्ञान मंच के राज्य उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार मलिक, सीटू सर्व कर्मचारी संघ के नेता सीलक राम मलिक, जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान अनीता ने की। बैठक में सुनीता, पूनम, शालू, पिंकी, बबली, मीना, सरजावती मौजूद रही। तत्पश्चात महिलाओं ने जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को 20 सूत्रीय मांग पत्र भिजवाया। महिलाओं ने पत्र के माध्यम से मांग की, कि अमेरिका इसराइल के आक्रमणों को रोकने के लिए दोनों देशों पर उचित दबाव बनाया जाए। मासूम बच्चों, महिलाओं, निर्दोष लोगों का कत्लेआम बंद किया जाए। सांसद एवं विधानसभा में महिला आरक्षण के लिए पारित नारी शक्ति वंदन विधेयक को तुरंत लागू किया जाए।

सोनीपत। बैठक करती अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला कमेटी की सदस्य।

हुकटा ने सेवा सुरक्षा बिल प्रक्रिया को तेज करने की मांग उठाई

- प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में सीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

हरियाणा यूनिवर्सिटीज कॉन्ट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन (हुकटा) के प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को विश्वविद्यालयों के अनुबंधित शिक्षकों की जॉब सिक्योरिटी से जुड़े 'सेवा-सुरक्षा बिल' प्रक्रिया को समयबद्ध व तेज गति से पूरा करवाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। हुकटा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय मलिक व डॉ. सुमन रंगा ने बताया कि राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों में कार्यरत लगभग 1400 अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों के लिए 'सेवा-सुरक्षा बिल' की प्रक्रिया में तेजी आने से आगामी विधानसभा सत्र या कैबिनेट बैठक में इस पर सकारात्मक निर्णय की उम्मीद है। शिक्षा विभाग द्वारा पिछले वर्ष दिसंबर में भेजे गए पत्र के आधार पर अब अधिकांश विभागों से अपेक्षित सूचना प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कॉलेज, स्कूल व पॉलिटेक्निक सहित अन्य शिक्षण संस्थानों के अनुबंधित शिक्षकों की तर्ज पर विश्वविद्यालयों के अनुबंधित शिक्षकों को भी सेवानिवृत्ति 60 वर्ष तक सेवा-सुरक्षा मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विधायक निखिल ने दो सत्रों में प्रशिक्षण शिविर में योजनाओं पर साझा की जानकारी

प्रधानमंत्री मोदी और सीएम सैनी प्रदान कर रहे नई दिशा : मदान

- महाराजा अग्रसेन मंडल ने जोगी धर्मशाला में लगाया प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

विधायक निखिल मदान शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान में शामिल हुए। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। भगवान विश्वकर्मा मंडल की ओर से शंभु दयाल स्कूल और महाराजा अग्रसेन मंडल ने जोगी धर्मशाला, रोहतक रोड पर प्रशिक्षण शिविर लगाया। सर्वप्रथम विधायक निखिल मदान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन करते हुए उनके अंत्योदय और एकात्म मानववाद के विचारों को स्मरण किया। भारत माता और श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दिन दयाल उपाध्याय को नमन करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी साझा की। विधायक निखिल मदान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के मार्ग पर अग्रसर है और माननीय मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा भी प्रगति की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य केवल लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि प्रदेश के नागरिकों को जिम्मेदार एवं देश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। यह योजनाएं केवल योजनाएं नहीं, बल्कि जन कल्याण और सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम है। जैसे कि पीएम आवास योजना में 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को पक्के घर बना कर दिए गए हैं। जल जीवन मिशन में 15.6 करोड़ परिवारों को नल के माध्यम से उनके घर पर जल पहुंचाया गया है। पीएम उज्जवला योजना के अंतर्गत 10.3 करोड़ से ज्यादा लोगों को फ्री गैस चूल्हा (एलपीजी) कनेक्शन दिए गए हैं।

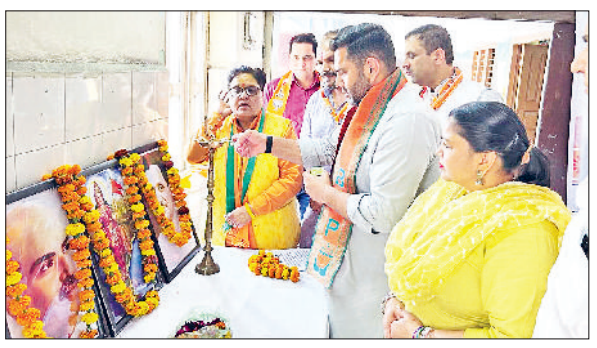

सोनीपत। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण शिविर का पूजन कर शुभारंभ करते विधायक निखिल मदान। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

शिविर में जिला महामंत्री तरुण देवीदास, आजाद नेहरा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, नीरज आत्रेय, संजय वर्मा, नीरज सोनी, चरण सिंह जोगी, मंडल प्रभारी किरण रोहिल्ला, प्रदेश प्रवक्ता भूपेंद्र गहलावत, सुनीता लोहचब, मनोज जैन, संगीता सैनी, किरण बाला, शशिकांत भारद्वाज, अतुल जैन, बबीता दहिया, नरेश वर्मा, अजय मलिक, जोगिंद्र प्रजापति, प्रेम कौशिक, महेंद्र वर्मा, देवेश बल, कुलदीप ठाकुर, शैलेंद्र तोमर, अरुण बंसल, अजय राठी, नवीन तंवर, रामनिवास रोहणा, धीरेंद्र शांडिल्य, मनोज गुप्ता, कृष्ण कौशिक, अशोक ब्राह्मणवास, धर्म कौर, रेखा गर्ग, सीमा गोवर, पुष्पा बैरागी, सुनीता, सतबीर भोला, कली राम, अनिल ग्रोवर मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : महिलाओं ने पुरुषों के समान अपना वर्चस्व किया स्थापित

नारी शक्ति सशक्त समाज का आधार

शिक्षा, खेल, राजनीति, अभिनय, समाजसेवा हर क्षेत्र में परचम लहरा रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

महिला दिवस नारी शक्ति, महिला सशक्तिकरण, सशक्त समाज व विश्व उत्थान का आधार है, जो महिलाओं की भूमिका व उनके अधिकारों के महत्व को दर्शाता है। आज हर क्षेत्र में महिला शक्ति ने पुरुषों के समान अपना अधिकार एवं वर्चस्व स्थापित किया है। यह धारणाएं आज गलत हैं कि महिलाएं कमजोर हैं। महिलाओं को जो अधिकार मिले हैं, उसके दम पर वह शिक्षा, खेल, राजनीति, अभिनय, समाजसेवा, व्यवसाय से लेकर स्वरोजगार तक के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। हरियाणा की पांडव नगरी जिला सोनीपत की बात करें, तो यहां की कई महिला शक्ति ने अपना परचम प्रदेश व देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है।

नारी शक्ति, साहस, सहनशीलता की प्रतिमूर्ति

बच्चों में 29 वर्ष से शिक्षा की अलख जगाकर उनका भविष्य उज्ज्वल बनाने वाली शिक्षिका सुनीता ढुल को वर्ष 2025 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से नवाजा गया था। सुनीता ढुल का कहना है कि नारी शक्ति, साहस, सहनशीलता की प्रतिमूर्ति है। नारी घर, समाज और राष्ट्र का आधार है, लेकिन इन्हें सबके लिए शिक्षित, तर्कशील व आत्मनिर्भर होना जरूरी है। जिस प्रकार एक आरती सजाने के लिए हजारों दीपक चाहिए, एक समुंद्र भरने के लिए हजारों बूंद चाहिए, ठीक उसी भांति एक नारी परिवार को स्वर्ग बनाने के लिए अपनी सहभागिता देती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं सभी महिलाओं, बेटियों को संदेश देना चाहती हूं कि इन सभी का रास्ता शिक्षा से होकर गुजरता है। शिक्षा से ही हम अपना, समाज, राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। एक समृद्ध व सुदृढ़ समाज की नींव रखने में योगदान दे सकते हैं।

सुनीता ढुल, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार अवॉर्डी, सोनीपत

महिला ईश्वर की सबसे अद्भुत व सशक्त रचना

रसायन विज्ञान ओलंपियाड प्रदर्शन शिविर व अंतरराष्ट्रीय विज्ञान मेला (आईआईएसएफ-2025) में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी जिला के एकमात्र शिक्षिका अंजू दहिया 17 वर्ष से राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को आधुनिक प्रशिक्षण देने के साथ शोधार्थी बनने की राह दिखा रही हैं। उन्होंने रसायन शास्त्र विषय को खेल, कविता जैसी गतिविधियों से विद्यार्थियों के लिए आसान बनाया है। इन्हीं उपलब्धियों व शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर अंजू दहिया को वर्ष 2022 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया था। अंजू दहिया का कहना है कि महिला को किसी बाहरी शक्ति, अधिकार या आरक्षण की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह स्वयं ईश्वर की सबसे अद्भुत व सशक्त रचना है। प्रकृति ने उसे इतनी शक्ति, सहनशीलता व संवेदनशीलता दी है कि वह जीवन के हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकती है।

-अंजू दहिया, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार अवॉर्डी, सोनीपत

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में अध्यापिकाओं को किया पुरस्कृत

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना की गई। विद्यालय के चेयरमैन सुधीर जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन, प्राचार्य गीता चोपड़ा व उप प्राचार्य रूना दास ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अध्यापिकाओं को पुरस्कृत किया गया। चेयरमैन सुधीर जैन ने कहा कि हर साल महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए दुनियाभर में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं की सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उपलब्धियों को याद करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में अध्यापिका संगीता निखंज, मीनू ,सुषमा, अर्चना, सुमन, रूचि ग्रोवर, निधि दहिया, महक, भावना, रुचि मलिक, पलक, मीनाक्षी मलिक, गीता राणा, आशिमा, श्वेता भारद्वाज, रितु मलिक व पायल बनर्जी को पुरस्कृत किया गया। उनके योगदान के लिए स्मृति चिन्ह व सर्टिफिकेट देकर उनका मनोबल भी बढ़ाया गया। डायरेक्टर ध्रुव जैन ने कहा कि भारत वर्ष की महिलाओं ने देश की आजादी में भी अहम भूमिका निभाई है। सावित्री बाई फुले ने भारत को आजादी दिलाने में और देश में पढ़ाई को लेकर भेदभाव खत्म करने में अहम भूमिका निभाई।

बेटियों को सुरक्षित वातावरण देना आवश्यक : डॉ. सुमन मंजरी

सोनीपत। कामी रोड स्थित पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ लॉ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी व जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड सोनीपत की जूरी मेंबर डॉ सुमन मंजरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डॉ.विजयपाल नैन, उनकी माता मूर्ति देवी, सचिव गौतम नैन, कोषाध्यक्ष भोपाल सिंह, प्रबंध निदेशक कपिल भाटिया, एमडी इंजी. संघदीप शाक्य, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ.स्वीटी, कैंपस डायरेक्टर कुलदीप, रजिस्ट्रार कंवलजीत सिंह संधू, पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर डॉ. सुनीता, डॉ.सुमिता, लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.टीसी राणा, विभागाध्यक्ष डॉ.सोनिया, मोनिका, अलका व डॉ.मुकेश ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं व महिला प्राध्यापिकाओं के लिए गीत-संगीत, कविता पाठ सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डॉ.सुमन मंजरी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्वभर में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने व लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में मनाया जाता है। आज महिलाएं सेना, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन व व्यापार सहित हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं, लेकिन इसके साथ ही उन्हें हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक उपेक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिन्हें दूर करना आवश्यक है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महावीर चिरस्मी के नेतृत्व में सांसद को ज्ञापन सौंपा

ग्रामीणों ने अंडरपास बनाने की उठाई मांग

गन्नौर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष महावीर चिरस्मी के नेतृत्व में सांसद सतपाल ब्रह्मचारी को ज्ञापन सौंपते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर बढ़ते ट्रैफिक और लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए चिरस्मी गांव की तरफ जाने वाले सड़क मार्ग के सामने अंडरपास बनाने की मांग को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष महावीर चिरस्मी के नेतृत्व में ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की।

सांसद को सौंपे ज्ञापन में बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले एनएच-44 पर चिरस्मी गांव की तरफ जाने वाले रोड के सामने अंडरपास की व्यवस्था नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण गांव बांए, बड़ौत, चिरस्मी, दातीली, पट्टी ब्रह्माणा, महावटी, देहरा, डिकाडला, राक्सहेड़ा, राधा स्वामी सतसंग सहित कई गांवों के लोगों को आने-जाने के लिए सड़क के दूसरी ओर जाने में जोखिम उठाना पड़ता है। इन गांवों के लोग आने जाने के लिए चिरस्मी रोड का उपयोग करते हैं, लेकिन अंडरपास या सुरक्षित क्रॉसिंग नहीं होने के कारण उन्हें गलत दिशा से सड़क पार करनी पड़ती है। ग्राम पंचायत चिरस्मी व आसपास के गांवों के प्रतिनिधियों ने सांसद से मांग की कि जनहित और क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अंडरपास या फ्लाईओवर की व्यवस्था करवाई जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और दुर्घटनाओं पर भी रोक लग सके।

संस्कार शिक्षा और सामाजिक एकता के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : अरुण बंसल

सोनीपत। समाजसेवी अरुण बंसल ने शनिवार को गन्नौर जीटी रोड स्थित गुप्ति धाम में आयोजित सम्मेलन, माधव नगर में विराट हिंदू सम्मेलन में भाग लिया। समाजसेवी अरुण बंसल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कार शिक्षा और सामाजिक एकता के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। समाज की एकता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रहित को मजबूत करने के लिए ऐसे सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे पहले उन्होंने गुप्ति धाम में जैन संत उपाध्याय गुप्ति सागर महाराज का आशीर्वाद लिया। उन्होंने बताया कि शहर की प्रमुख शिक्षण संस्थाओं का सेक्टर-15 स्थित जैन दिगंबर मंदिर में 28 मार्च से 2 अप्रैल तक पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस पंचकल्याणक महोत्सव में विद्यार्थियों और अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वह विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों से जोड़कर भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराएं।

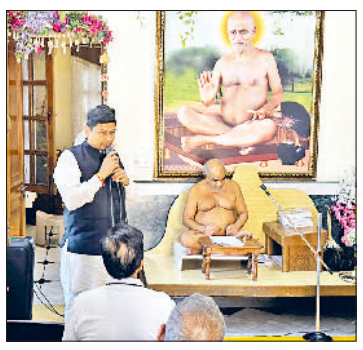

धूमधाम और उमंग के साथ मनाया फर्स्ट फ्रेंड प्री स्कूल का वार्षिकोत्सव

गन्नौर। रेलवे रोड स्थित फर्स्ट फ्रेंड प्री स्कूल में वार्षिकोत्सव उमंग उत्सव धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर स्कूल के नन्हे- मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में नपा के पूर्व वाइस चेयरमैन दिनेश अदलखा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की । जबकि नपा के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश जैन व पार्षद अंकित त्यागी व मास्टर परमानंद कौशिक ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की । कार्यक्रम में पहुंचने पर स्कूल प्रबंधकों ने अतिथियों का स्वागत किया। पूर्व वाइस चेयरमैन दिनेश अदलखा ने कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। उन्होंने ने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर नपा के पूर्व अध्यक्ष ईश्वर कश्यप,सपना अदलखा ,खुशबू अदलखा, मोनिशा अदलखा, सिमरन, सुदेश , शशि ,ऋतु , अर्चना , नेहा , दिव्या व ज्योति अध्यापिका मौजूद रही।

सरकार ने गरीबों की रसोई पर किया प्रहार : दीवान

- 60 रुपये बढ़े रसोई गैस सिलेंडर के दाम, लोगों की जेब पर सीधा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कांग्रेस कमेटी के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान ने घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आज गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। रसोई गैस के दामों में हुई ताजा बढ़ोतरी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। हाल ही में सिलेंडर के दामों में 60 रुपये की वृद्धि की गई है, जिसका सीधा असर लोगों की जेब पर पड़ेगा। कमल दीवान ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। सरकार ने पहले धीरे-धीरे गैस सब्सिडी को कम किया और अब स्थिति यह है कि सब्सिडी नाम मात्र की रह गई है। रसोई गैस के बढ़ते दामों से हर परिवार का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सब्सिडी वाला सिलेंडर लगभग 420 रुपये में मिलता था, जबकि अब इसकी कीमत करीब 900 रुपये तक पहुंच गई है।

उज्ज्वला योजना पर उठाए सवाल

उन्होंने उज्ज्वला योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह योजना अब केवल कागजों तक सीमित रह गई है। गरीब परिवारों ने सिलेंडर तो ले लिया, लेकिन महंगे दामों के कारण उसे दोबारा भरवाना उनके लिए मुश्किल हो गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा द्वारा 500 रुपये में सिलेंडर देने के वादे भी अब केवल हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। धरातल पर गरीब जनता महंगाई से परेशान है और सरकारी योजनाएं केवल विज्ञापनों और फाइलों तक सीमित रह गई हैं। कमल दिवान ने कहा कि बहुत हुई महंगाई की मार का नारा देकर सत्ता में आई भाजपा आज खुद महंगाई की सबसे बड़ी वजह बन गई है। जब रसोई का खर्च बढ़ता है, तो उसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य पर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि गैस सिलेंडर की कीमतों को तुरंत कम किया जाए और सब्सिडी व्यवस्था को पारदर्शी बनाकर सीधे जनता तक इसका लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा के वादों और जुमलों को पहचान चुकी है और आने वाले समय में इसका करारा जवाब देगी।

हलके के गांवों में सुविधाएं बेहतर करने का प्रयास : गहलावत

- यूपीएससी में चयनित युवाओं को विधायक कृष्णा गहलावत ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

विधायक कृष्णा गहलावत का राई हलके में सड़कों के मरम्मत व सुदृढ़ीकरण कार्य पूरे होने पर भैरा बांकीपुर के सरपंच जयराम शर्मा, खटकड़ के सरपंच योगेश व ग्रामीणों ने आभार जताया। भैरा बांकीपुर दहिसरा बांध से खटकड़ तक लगभग 30 लाख रुपये की लागत से सड़क मरम्मत का कार्य पूरा हुआ, इसके अलावा दहिसरा फिरनी से पल्ला तक करीब 10 लाख रुपये तथा सेरसा से जाटी कला तक 10 लाख रुपये की लागत से सड़क को दुरुस्त किया।

राई। विधायक कृष्णा गहलावत का राई हलके में सड़कों के सुदृढ़ीकरण पर आभार व्यक्त करते सरपंच।

सरपंचों ने बताया कि लंबे समय से खराब पड़ी इन सड़कों के ठीक होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। इन मार्गों की स्थिति लंबे समय से खराब थी, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के बाद इन मार्गों पर आवाजाही आसान हो गई है। भैरा बांकीपुर के सरपंच जयराम शर्मा ने कहा कि विधायक के प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल रही है। विधायक ने कहा कि उनका प्रयास है कि राई विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में बुनियादी सुविधाएं बेहतर हों और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

युवाओं ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में जिले के युवाओं के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए विधायक कृष्णा गहलावत ने बधाई दी है। कृष्णा गहलावत ने कहा कि युवाओं की इस सफलता से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। कठिन परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर युवाओं ने यह उपलब्धि हासिल कर अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य किया है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। इसमें सफलता प्राप्त करना युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण है।

महिला अध्यापकों का किया सम्मान

नव ज्योति शिक्षा सदन में कार्यक्रम, वालीबाल मैच का भी आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

खुबडू भांवर स्थित नव ज्योति शिक्षा सदन में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला अध्यापकों व महिला स्टाफ का सम्मान किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक ने छात्र-छात्राओं को महिलाओं का सम्मान करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्रों को अपनी माताओं के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाकर उन्हें भेंट करने तथा घर के कार्यों में सहयोग करने की भी प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के खेल मैदान में लड़कों और लड़कियों के बीच वालीबाल मुकाबला हुआ। अशोक कादियान ने रेफरी की भूमिका निभाई। कुल तीन मैच खेले गए, जिनमें दो मैच लड़कों की टीम ने और एक मैच लड़कियों की टीम ने जीतकर खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर कार्डिनेटर प्रिया वशिष्ठ, कुसुम सैनी, संजीत कौशिक, अतुल कौशिक, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। वालीबाल मैच के दौरान छात्र एवं छात्राओं की टीम।

501 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

गोहाना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को गीता विद्या मंदिर, गोहाना में कलश यात्रा के साथ विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। यात्रा को जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव कमलपुरी महाराज और जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद जी महाराज ने अपना आशीर्वाद देकर रवाना किया। यात्रा 501 महिलाओं निकाली जिससे पूरा शहर सनातन संस्कृति के रंग में रंग गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य अरुण बड़ौक ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक है। अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संभाल कर रखना हमारी जिम्मेवारी है। मुख्य वक्ता घनश्याम (सहविभाग संघचालक) ने समाज की एकता और सांस्कृतिक मूल्यों पर अपने विचार विचार व्यक्त किए। सोनीपत से सविता मोर ने संस्कारयुक्त जीवन अपनाने के लिए पंच परिवर्तन का संदेश दिया। अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की।

उपलब्धि शंभु दयाल मॉडर्न स्कूल के प्रबंधन ने कहा, मानसी के सम्मान में जल्द होगा अभिनंदन समारोह

यूपीएससी में 137वां रैंक पाने पर मानसी डागर का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शंभु दयाल मॉडर्न स्कूल की पूर्व छात्रा, सेक्टर-23 निवासी मानसी डागर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 137वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय, परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया। मानसी डागर की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से उनका स्वागत कर आशीर्वाद दिया गया। संस्था के प्रधान प्रदीप सिंह गौतम ने बताया कि कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय व निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने मानसी डागर को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के प्राचार्य सौरभ शर्मा ने कहा कि मानसी की सफलता विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, इनकी उपलब्धि अन्य छात्रों को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करेगी। प्राचार्य ने बताया कि मानसी पढ़ाई में शुरू से ही बेहद मेधावी रही हैं। उन्होंने अपनी 10वीं कक्षा की पढ़ाई सोनीपत के शंभू दयाल स्कूल से वर्ष 2016 में पूरी की, जबकि 12वीं कक्षा की परीक्षा 2018 में इसी स्कूल से उत्तीर्ण की। 12वीं कक्षा में भी वह सीबीएसई की टॉपर रही। इस दौरान उनके अध्यापक नरेश त्यागी, संदीप शर्मा, नेहा मित्तल, पारुल कौशिक, मंजू व सोनिया ने भी उन्हें आशीर्वाद देकर सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय प्रबंधन ने घोषणा की, कि जल्द ही मानसी डागर के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा, ताकि विद्यालय के विद्यार्थी उनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

सोनीपत। शंभु दयाल मॉडर्न स्कूल में मानसी डागर का स्वागत करते प्रबंधन व स्टाफ सदस्य।

जसवीर दोदवा ने किया अभिनंदन

सोनीपत। सेक्टर-23 स्थित निवास पर मानसी डागर का अभिनंदन करते भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जसवीर दोदवा व अन्य।

सोनीपत। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जसवीर दोदवा ने समर्थकों के साथ शनिवार को यूपीएससी की परीक्षा में 137वां रैंक पाने वाली बाघडू निवासी मानसी डागर का उनके सेक्टर-23 स्थित निवास पर पहुंचकर अभिनंदन किया। इस दौरान सभी ने मानसी डागर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर वाइस चेयरमैन मोनू डागर, जयपाल मलिक, महेंद्र मलिक, नरेंद्र मलिक, सुरेंद्र श्योराण, रोहित मलिक मौजूद रहे।

वैभव भारद्वाज को दी शुभकामनाएं

सोनीपत। यूपीएससी के परीक्षा परिणाम में सोनीपत के वैभव भारद्वाज ने 344वां रैंक हासिल कर सोनीपत का नाम रोशन किया। विधायक निखिल मदान शनिवार को यूपीएससी परीक्षा पास करने वाले वैभव को बधाई देने उनके घर पहुंचे। निखिल मदान ने गांव चिटाना और वर्तमान में वैस्ट रामनगर निवासी वैभव भारद्वाज को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान वैभव के पिता जयभगवान शर्मा, माता सीमा शर्मा, बहन रीतिका शर्मा मौजूद रही। विधायक निखिल मदान ने बताया कि अबकी बार सोनीपत शहर से चार छात्रों वैभव, मानसी, अमन, आशीष ने यूपीएससी परीक्षा पास कर इतिहास रचा है। वह सभी को शुभकामनाएं देते है।

सूचना

मैं सुनीता पत्नी श्री बिजेंद्र सिंह, निवासी मकान नंबर –2132 जिला सोनीपत सेक्टर 12 सोनीपत हरियाणा की 1. कन्वेयन्स डीड नंबर 4559– प्रीतपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय सरदार प्रहलाद सिंह निवासी 808 मलका गैंग दिल्ली –110007 2. प्लॉट अलॉटमेंट लेटर नंबर –12270 श्री प्रीत सिंह राठी पुत्र श्री कुंजलाल राठी वी.पी.ओ रामपुर तह. गन्नौर जिला सोनीपत हरियाणा. 3. प्लॉट री–अलॉटमेंट लेटर नंबर 2132 श्री प्रीत पाल सिंह पुत्र श्री प्रहलाद सिंह निवासी E-8 मलका गैंग दिल्ली –110007 4. प्लॉट री–अलॉटमेंट लेटर नंबर– 7884 रश्मि बेटी श्री रामकुमार मकान नंबर – 1306 सेक्टर 14 सोनीपत हरियाणा. 5.सेल डीड नंबर 9514 फर्स्ट पार्टी – श्री प्रीतपाल सिंह बेटे श्री प्रहलाद सिंह निवासी E-8 मलका गैंग दिल्ली –110007 सेकंड पार्टी – रश्मि बेटी श्री राजकुमार निवासी मकान नंबर –1306 सेक्टर 14 सोनीपत . के प्रॉपर्टी से सम्बंधित दस्तावेज सैक्टर –12 सोनीपत से दिनाक 29 .01 .2026 को गुम हो गए है. मेने इस सम्बन्ध में सोनीपत, सैक्टर – 27 पुलिस स्टेशन में FIR संख्या 132390092600237 दर्ज करवा दी है . अगर भविष्य में किसी को मिले तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करे, 9467652628

A Senior Secondary Co-educational School Affiliated to CBSE, New Delhi

EDUCATION at THE VEDIC ERA

PROGRESSIVE SCHOOL, Ratangarh, Sonipat

"make your child **fundamentally** strong"

Kindly follow us on:

Registration Forms
available at the School Reception on all working days between 9.30 am and 2.30 pm

Registration Forms are available for classes
PP-I, PP-II, PP-III,
1st, 2nd, 6th and 11th

Online Registration Forms
Available on the SCHOOL WEBSITE:
www.thevedicera.com

OSG@9416276543

Founded, Funded & Managed by :
Dr. V.P. Arya Memorial
Educational & Charitable Trust (Regd.), New Delhi

Admission strictly on Merit basis

Seats Limited

Phone : 8059 300 111, 8059 400 111
8059 600 111, 92156 56602

e-mail: thevediceraschool@gmail.com
www.thevedicera.com

For the Session 2026-27

Admission On for Classes
PP-I, PP-II, PP-III
1st, 2nd, 6th

NO ADMISSION FEE FOR THESE CLASSES

No seats available in Classes:
3rd, 4th, 5th, 8th, 9th, 10th, 12th

Very Limited seats available in:
Classes 7th and 11th

Registration Forms shall be issued for class 7th on first-come-first basis

Wanted
Well-qualified, smart, dedicated, convent-educated, experienced candidates good at spoken English:

- **TGTs:** English, Social Science, Computer Science/IT
- **PGTs:** English, Commerce, Informatics Practices
- **Mother Teachers and NTTs**
- **Art & Craft Teacher:** Trained and experienced Female/ Male Art & Craft Teacher
- **PTIs:** Trained and experienced Female PTIs

- Kindly submit your RESUME/BIO-DATA within 7 days or mail it to: thevediceraschool@gmail.com
- It is compulsory to paste latest coloured passport size photograph

Also Required: Trained and experienced Bus drivers

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
विशेष
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
P-1
रोहतक,रविवार 8 मार्च 2026

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

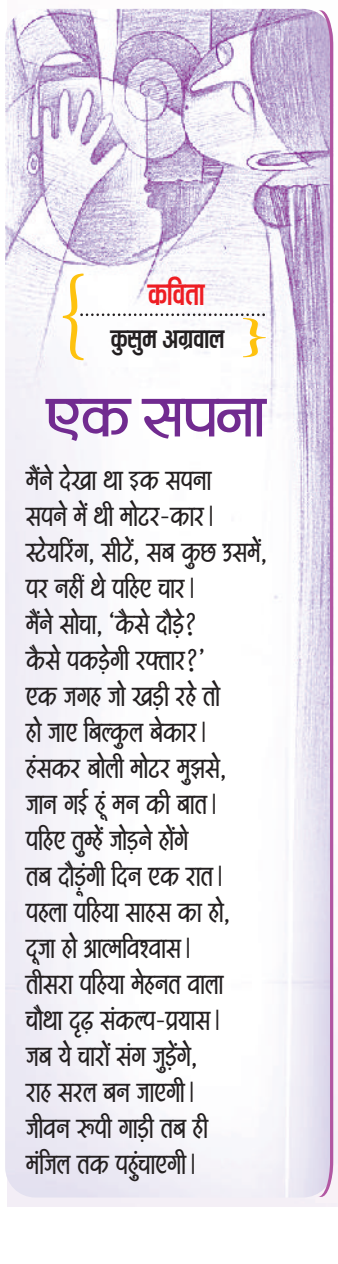

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं !

शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

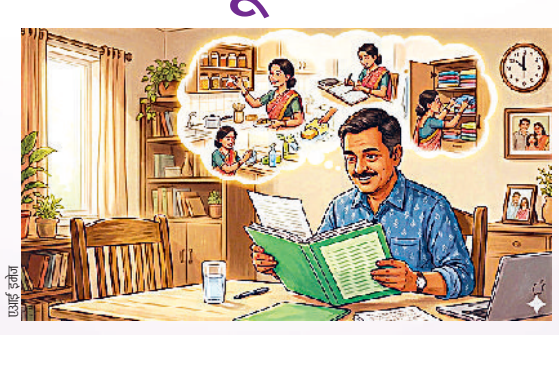
एआई इमेज

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुंशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

विगत 5 मार्च से आरंभ हुआ गोवा का शिग्मो उत्सव, आगामी 18 मार्च तक आयोजित होगा। यह गोवा की सांस्कृतिक पहचान है। यह उत्सव स्थानीय निवासियों की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और उन्हें अपनी परंपरा पर गर्व करने का अवसर भी देता है। इस उत्सव की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

गोवा की लोक-संस्कृति का रंगोत्सव शिग्मो

सांस्कृतिक पर्व

धीरज बसाक

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गोवा, अपनी समुद्र तटीय सुंदरता के कारण पर्यटकों के बीच जितना लोकप्रिय है, उतना ही अपने समृद्ध लोक संस्कृति के कारण भी यह प्रसिद्ध है। गोवा लोक संस्कृति का सबसे समृद्ध घर माना जाता है और इस समृद्ध लोक संस्कृति का सबसे जीवंत और रंगीन प्रतीक है शिग्मो फेस्टिवल या शिग्मो उत्सव। शिग्मो उत्सव केवल एक वार्षिक पर्व भर नहीं है, बल्कि गोवा के ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं, लोक नृत्यों और ऐतिहासिक स्मृतियों का संवेदनशील और सामूहिक उत्सव भी है।

वसंत के आगमन का उत्सव

वास्तव में शिग्मो, गोवा का पारंपरिक वसंत उत्सव है, जो होली से शुरू होकर चैत्र माह में एक पखवाड़े तक मनाया जाता है। इसलिए शिग्मो उत्सव को गोवा की लोक आत्मा का उत्सव कहते हैं। क्योंकि इसमें यहां के किसान, मजदूर और ग्रामीण समुदायों की जीवनशैली, उनकी आस्था और उनकी ऐतिहासिक चेतना पूरी भव्यता के साथ अभिव्यक्त होती है। शिग्मो का अर्थ है शिशिरोत्सव अर्थात शीत ऋतु के अंत और वसंत के आगमन का उत्सव। यह पर्व प्राचीन काल से गोवा के कुछ समुदायों द्वारा मनाया जाता रहा है। फसल कटाई के बाद जब किसान अपनी मेहनत के फल से संतुष्ट होते हैं तो प्रकृति और देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शिग्मो उत्सव मनाते हैं।

एक हजार साल पुराना उत्सव

इतिहासकारों के मुताबिक शिग्मो उत्सव मनाने की परंपरा कम से कम 1000 साल पुरानी है। पुर्तगाली शासन के दौरान भी गोवा के स्थानीय लोगों ने इस उत्सव को अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में बनाए रखा। वास्तव में यह उत्सव गोवा के हिंदू समुदाय के लिए विशेष मायने रखता है। लेकिन इसकी लोक-रंगत और सांस्कृतिक आकर्षण के कारण आज इसमें सभी समुदायों की भागीदारी होती है।

कई लोकनृत्यों का आयोजन

शिग्मो उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत के भव्य आयोजन होते हैं। इन नृत्यों में गोवा के ग्रामीण जीवन, युद्ध कथाओं, पौराणिक प्रसंगों और सामाजिक घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है। शिग्मो उत्सव में शामिल प्रमुख लोक नृत्यों में घोड़े मोदनी नृत्य सबसे प्रमुख है। वास्तव में यह योद्धाओं का नृत्य होता है। माना जाता है कि प्राचीनकाल में विजयी योद्धा, घोड़ों पर सवार होकर नृत्य किया करते थे। लेकिन आज लोक कलाकार घोड़े की मुखाकृति के मुखौटे पहनकर और हाथ में तलवार लेकर नृत्य करते हैं। यह नृत्य वास्तव में गोवा के गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है। इस उत्सव का दूसरा प्रमुख नृत्य हैं-रोमातामेल। यह सामूहिक नृत्य है, इसमें कलाकार ढोल, ताशा और झांझे की धुन पर नाचते हैं। इनके अलावा जो प्रमुख नृत्य इस उत्सव में खूब देखने को मिलते हैं, उसे फुगड़ी और जागर नृत्य कहते हैं। ये नृत्य गोवा के ग्रामीण और आदिवासी जीवन को दर्शाते हैं। इन प्रमुख नृत्यों के माध्यम से गोवा में लोग शिग्मोत्सव में सदियों से चली आ रही अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते हैं।

निकलती हैं भव्य झांकियां

शिग्मो उत्सव के दौरान गोवा के प्रमुख शहरों जैसे पणजी, मडगांव, वास्को, पोंडा और मापुसा में भव्य शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। इन शोभा यात्राओं में रंग-बिरंगी झांकियां होती हैं, जो पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक विषयों को दर्शाती हैं। इन झांकियों में रामायण और महाभारत के दृश्य, गोवा के लोक देवताओं की कथाएं, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक जागरूकता के संदेश दिए जाते हैं। यह परंपरा आधुनिक, सामाजिक चेतना का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करती है।

ग्रामीण और शहरी शिग्मो

ग्रामीण और शहरी शिग्मो उत्सव वैसे एक-दूसरे से थोड़े भिन्न होते हैं, लेकिन ये दो रूप भले अलग हों, लेकिन उनकी आत्माएं एक होती हैं। इन दो अलग-अलग यानी शहरी और ग्रामीण शिग्मो को क्रमशः धाकटो शिग्मो यानी छोटा शिग्मो और व्हाडलो शिग्मो यानी बड़ा शिग्मो कहा जाता है। छोटा शिग्मो ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है, जो ज्यादा पारंपरिक होता है और बड़ा शिग्मो, शहरी क्षेत्रों में आयोजित होता है और इसमें बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक झांकियां और शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। ग्रामीण शिग्मो में ज्यादा पारंपरिक और धार्मिक तत्व शामिल होते हैं, जबकि शहरी शिग्मो में पर्यटन और बहु-सांस्कृतियों का प्रदर्शन अधिक होता है, क्योंकि शहरी शिग्मो में बड़े पैमाने पर यहां आने वाले पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं।

संस्कृति-संरक्षण का माध्यम

शिग्मो उत्सव केवल एक पारंपरिक लोक त्योहार भर नहीं बल्कि गोवा की सांस्कृतिक धड़कन है। शिग्मो के रंग, संगीत और नृत्य गोवा के लोगों की आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं। इसके जरिए पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को संरक्षण मिलता है। यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सहयोग की भावना बढ़ाता है। यह महोत्सव युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। आज के आधुनिक और वैश्विक युग में जब कई पारंपरिक उत्सव अपनी पहचान खो रहे हैं, तब शिग्मो उत्सव गोवा की सांस्कृतिक निरंतरता का पर्याय बन गया है। *

क्या आप अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन इसे प्राप्त नहीं कर पाते? ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि किन वजहों से आप अपने लक्ष्य से दूर रह जाते हैं और किन बातों का ध्यान रखकर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जानिए।

आप क्यों रह जाते हैं अपने लक्ष्य से दूर

सेल्फ मोटिवेशन

शिखर चंद जैन

कई लोग प्लान बनाते हैं, लक्ष्य भी तय करते हैं, लेकिन उन्हें कभी अचीव ही नहीं कर पाते। हम सभी जानते हैं कि जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है- लक्ष्य का निर्धारण। लक्ष्य वह मार्गदर्शक है, जो हमें भीड़ में खोने से बचाता है और चुनौतियों से लड़ने का साहस देता है। किसी भी महान कार्य की शुरुआत एक छोटे से संकल्प से ही होती है, जो आगे चलकर एक स्पष्ट लक्ष्य का रूप ले लेता है।

सोचना पर्याप्त नहीं: 'मैं यह करना चाहता हूं' ऐसा सोचकर लक्ष्य बनाना काफी नहीं है। स्पष्टता ही लक्ष्य की प्राप्ति में सफलता की पहली शर्त है। जब आप गहराई से समझ लेते हैं कि आप कौन हैं, आप वास्तव में क्या चाहते हैं और आपको कहां पहुंचना है, तभी आप एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दस गुना अधिक व तेज उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है।

स्वयं का करें आकलन: स्वास्थ्य, आनंद, रिश्ते और वित्तीय स्वतंत्रता, ये जीवन के चार स्तंभ हैं, जिन्हें संतुलित करके आप असाधारण सफलता पा सकते हैं। जब आप इन चार क्षेत्रों में से हर एक में खुद को 1 से 10 अंक देकर ईमानदारी से आकलन करते हैं तो आपको तुरंत समझ आने लगता है कि आपके जीवन की सबसे ज्यादा समस्याएं किस क्षेत्र से जुड़ी हैं? जाहिर है, वहीं जहां आपका स्कोर कम होता है। यानी उसी बिंदु पर सबसे अधिक फोकस करने की जरूरत होती है।

अपना दृष्टिकोण तय करें: लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आपकी मानसिकता दो तरह की हो सकती है, समृद्धि का दृष्टिकोण या अभाव का दृष्टिकोण। समृद्धि का दृष्टिकोण आपको आत्मविश्वासी, सकारात्मक और समाधान केंद्रित बनाता है। आप दुनिया को अवसरों से भरा मानते हैं और यह विश्वास रखते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने का अच्छा समय है। आप में यह जागरूकता बनी रहती है कि दुनिया में चुनौतियां हमेशा थीं, हैं और रहेंगी। मगर आप अपनी ऊर्जा इस बात पर केंद्रित रखते हैं कि क्या बेहतर किया जा सकता है? यह सोच आपको रचनात्मक, सक्रिय और लक्ष्य उन्मुख बनाती है। वास्तव में लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि ऐसा उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है। जब इंसान की आंखों में एक स्पष्ट स्वप्न और उसे पाने का दृढ़ निश्चय होता है, तो वह साधारण से असाधारण बनने का सफर शुरू कर देता है। इसके विपरीत दूसरा दृष्टिकोण आपको सीमित कर देता है। इसमें आप किस्मत के भरोसे बैठ जाते हैं और तरह-तरह के बहाने बनाने लगते हैं। इस दृष्टिकोण से कभी कुछ हासिल नहीं हो पाता है।

लक्ष्य पर शिद्दत से टिके रहें: अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि आप इन्हें क्यों हासिल करना चाहते हैं? अगर यह केवल सतही कारणों से या दूसरों की उम्मीद पर खरा उतरने के लिए है तो आप उसके प्रति गंभीर नहीं हो पाएंगे। इसकी बजाय स्पष्ट रूप से यह जानें कि इन लक्ष्यों का आपके आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक या व्यक्तिगत जीवन पर क्या असर पड़ने वाला है? इससे आपको अपने लक्ष्य पर टिके रहने का हौसला मिलेगा।

मुश्किल लक्ष्यों को आसान बनाएं: अपने लक्ष्यों को सफल बनाने के लिए उन्हें स्पष्ट और छोटे हिस्सों में विभाजित कर लें। उन्हें प्रबंधनीय और ठोस कदमों में विभाजित करें। साथ ही अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय और प्राथमिकता दें। उन्हें अपने कैलेंडर में किसी महत्वपूर्ण बैठक की तरह रखें और तय समय पर उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। हां, अपने संकल्पों के रास्ते में जरा लचीले भी रहें, क्योंकि जीवन में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। योजनाओं में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें। किसी गलती या असफलता पर झुंझलाने या हार मानने की बजाय खुद को माफ करें और आगे बढ़ें। अपनी प्रगति की समीक्षा भी करते रहें। *

समझ लें सटीक फॉर्मूला

आपके लक्ष्य छोटे हों या बड़े, उनमें सफलता जरूर मिलेगी अगर आप अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और उसे पाने का सही फॉर्मूला जान लें। इसके लिए कुछ बातों को समझ लें।

- लक्ष्य की कोई डेडलाइन ना हो तो वह सिर्फ एक कल्पना या सपना मात्र बनकर रह जाता है। इसलिए हर लक्ष्य की एक समय सीमा तय करें।
- लक्ष्य और समय सीमा तय हो जाए तो वह आपका उद्देश्य बन जाता है। इसे पूरा करने की योजना बनाएं।
- लक्ष्य पाने के लिए आपको निरंतरता का भी ध्यान रखना होगा। यानी आपको नियमित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने में जुटा रहना पड़ेगा।

जानकारी

अंजू जैन

आजादी के बाद, भारत में तेजी से विकसित हो रहे सरकारी औद्योगिक उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता थी, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण थे। इसके लिए एक मजबूत सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की गई। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च 1969 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) की स्थापना की गई। भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा इसका गठन किया गया, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। इस सुरक्षा बल का ध्येय वाक्य है-संरक्षण और सुरक्षा।

आगामी 10 मार्च को सीआईएसएफ का 57वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। देश की महत्वपूर्ण धरोहरों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के योगदान और भूमिका पर एक नजर।

धरोहरों-औद्योगिक प्रतिष्ठानों का रक्षक सीआईएसएफ

प्रमुख कार्य

अपने नाम के मुताबिक ही सीआईएसएफ का प्रमुख आरंभिक कार्य औद्योगिक सुरक्षा ही था। सरकारी कारखानों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और बिजली संयंत्रों की सुरक्षा का जिम्मा इस बल को दिया गया। बाद में समय-समय पर इसकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। आगे चलकर यह अर्धसैन्यबल हवाई अड्डों, बंदरगाहों और मेट्रो की सुरक्षा कार्य भी करने लगा। इस बल के जवान देश की ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और धरोहरों जैसे-लाल किला, ताजमहल आदि की रक्षा भी करते हैं। वीआईपी सुरक्षा के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करना भी इनकी जिम्मेदारी में शामिल है।

बढ़ता संख्या बल

जब 1969 में सीआईएसएफ की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 2,800 जवान थे। आज यह दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा बलों में से एक है, जिसमें 2,00,000 (दो लाख) से भी ज्यादा जवान शामिल हैं।

आग बुझाने में भी माहिर

सीआईएसएफ के पास अपना एक खास 'फायर विंग' भी है। यह भारत का अकेला ऐसा सुरक्षा बल है, जिसके पास फैक्ट्रियों और उद्योगों में आग बुझाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित टीम होती है।

स्मार्ट डॉग स्क्वाड

सीआईएसएफ के पास बहुत ही स्मार्ट डॉग्स की तेजतर्रार स्क्वाड भी है। इनके डॉग्स इतने ट्रेंड होते हैं कि वे छिपी हुई खतरनाक चीजों का पलक झपकते ही पता लगा लेते हैं। कई बार सीआईएसएफ के डॉग स्क्वॉड ने शातिर किस्म की साजिशों का भंडाफोड़ किया है।

एयरपोर्ट सुरक्षा में संलग्न

देश के तमाम एयरपोर्ट्स पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को उनकी विशिष्ट विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक के कारण तैनात किया गया है। वे हवाई अड्डे की सुरक्षा के विशेषज्ञ माने जाते हैं, जो यात्रियों की तलाशी, सामान की स्क्रीनिंग और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उच्च दक्षता प्रदान करते हैं। इन सैनिकों को विशेष रूप से नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सामान्य पुलिस या दूसरे अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण से अलग होती है। सन् 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण के बाद, भारत सरकार ने सुरक्षा मजबूत करने के लिए हवाई अड्डों की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपने का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत फरवरी 2000 में जयपुर हवाई अड्डे से की गई। ये अर्धसैनिक, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके यात्रियों की गहन तलाशी और हैंड बैगेज की जांच सुनिश्चित करते हैं, जो एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। ये अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं, जो अन्य सुरक्षा बलों की तुलना में अधिक उपयुक्त हैं। साथ ही इस बल के जवान संभावित खतरों के लिए 24X7 निगरानी करते हैं और त्वरित प्रतिक्रिया टीम के साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम होते हैं। ये एयरपोर्ट के संवेदनशील क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों को पकड़ने और किसी भी प्रकार की तस्करी को रोकने में भी माहिर होते हैं। वर्तमान में 70 से अधिक एयरपोर्ट्स पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती है। यद्यपि अब देश के लगभग 60 हवाई अड्डों पर गैर-प्रमुख ड्यूटी के लिए निजी सुरक्षा गार्ड्स भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन प्रमुख सुरक्षा और स्क्रीनिंग का काम अभी भी मुख्य रूप से सीआईएसएफ ही करती है। *

महिलाएं भी नहीं हैं पीछे

देश के अन्य सुरक्षा बलों पुलिस, पीएसी, बीएसएफ और सशस्त्र सैन्य (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) बलों की तरह ही सीआईएसएफ में भी महिलाएं अपनी सेवाएं दे रही हैं। वर्तमान में इस अर्धसैन्य बल में लगभग साढ़े बारह हजार यानी आठ प्रतिशत महिलाएं तैनात हैं। सरकार का लक्ष्य जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर दस प्रतिशत करने का है। मुख्य तौर पर महिलाएं एविएशन सुरक्षा, क्विक रिएक्शन टीम और सीआईएसएफ कमांडो टीम में शामिल होकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। किसी भी अन्य सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस की तुलना में सीआईएसएफ में सबसे अधिक महिलाएं कार्यरत हैं।

स्त्रियों के संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों का विषय बनाया जाता रहा है। आज महिला दिवस के अवसर पर हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें स्त्री संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को प्रमुखता से उभारा गया है।

फिल्मों में खूब दिखीं महिला संघर्ष-शक्ति की कहानियां

सिने ट्रेंड

अशोक जोशी

हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा में स्त्रियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिन दिनों सिनेमा की शुरुआत हो रही थी, उसमें महिलाओं का काम करना अघोषित रूप से प्रतिबंधित माना जाता था। तब पुरुष कलाकार ही नारी का स्वांग भर पर्दे पर नजर आया करते थे। लेकिन कुछ समय बाद पर्दे पर नायिकाओं के पर्दापण से अब तक स्त्री कलाकार, सिनेमा का सबसे अनिवार्य हिस्सा बन गई हैं। फिल्मों में समय-समय पर नारी जीवन से जुड़ी समस्याएं, संघर्ष और उनके सशक्तिकरण जैसे विषयों को गंभीरता से प्रदर्शित किया जाता रहा है।

बेमेल विवाह की समस्या: हिंदी सिनेमा में वी. शांताराम, नारी समस्याओं को पर्दे पर सशक्त तरीके से उठाने वाले फिल्मकार थे। उनकी 1937 में प्रदर्शित फिल्म 'दुनिया न माने' बेमेल विवाह की समस्या पर केंद्रित थी। यह फिल्म स्त्रीत्व की गरिमा को बेहद खूबसूरती से उभारती है। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में प्राण फूंक दिए थे। नारी को भोग्या, चरणों की दासी और वस्तु मानने वालों को यह फिल्म प्रभावी सबक सिखाती है।

जातिगत विसंगतियों पर कटाक्ष: 1936 में प्रदर्शित फिल्म 'अछूत कन्या' सवर्ण लड़के और अछूत लड़की की एक दारुण प्रेम कहानी है। यह एक दुःखांत फिल्म है। इस वर्जित और उपेक्षित विषय को पहली बार फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच लाने का साहसिक प्रयास किया गया था। इससे मिलते-जुलते विषय पर 1959 में विमल राय ने 'सुजाता' बनाई, जो फिर से अछूत युवती और सवर्ण युवक के प्रेम की कहानी है। विमल राय की यह फिल्म आजादी के बाद इस विषय पर बनाई गई पहली फिल्म थी। इस फिल्म के एक दृश्य में रवींद्रनाथ ठाकुर कृत नाटक 'चांडालिका' का मंचन किया जाता है। इस नाटक में भगवान बुद्ध अछूत स्त्री के हाथों से पानी पीते हैं और सभी जातियों की समानता को व्याख्यायित करते है। राजकपूर और मीना कुमारी की ख्वाजा अब्बास निर्देशित फिल्म 'चार दिल चार राहें' की कहानी भी ऐसे ही विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। इसी क्रम में श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'भुवन शोम', 'मृगया', 'भूमिका', 'मंडी', 'चक्र' आदि में हाशिए पर धकेल दी गई स्त्रियों की सामाजिक स्थिति की दर्दमय झांकी प्रस्तुत की गई हैं।

दिखे स्त्री संघर्ष के विविध रूप: हिंदी फिल्मकारों ने भारतीय स्त्री के सभी रूपों को अपनी फिल्मों में प्रस्तुत किया है। घरेलू स्त्री, कामकाजी स्त्री, किसान स्त्री, विवाहित और अविवाहित स्त्री, जुझारू स्त्री, संघर्षशील स्त्री और अन्याय, अत्याचार से लड़ने वाली स्त्री के कई रूप हिंदी फिल्मों में नजर आते रहे हैं। महबूब खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'औरत' और उसका संशोधित संस्करण 'मदर इंडिया' भारतीय नारी के संघर्ष और त्रासदी की महागाथा है, जिसमें ग्रामीण महाजनी सभ्यता की क्रूरता और अत्याचार से लड़ती हुई नारी की मार्मिक कहानी है। ग्रामीण सामंती अत्याचार से उत्पन्न डाकू समस्या को उजागर करने वाली फिल्मों में नारी की विवशता को 'मुझे जीने दो', 'गंगा जमुना', 'जिस देश में गंगा बहती है' और शेखर कपूर की 'बैंडिट क्वीन' में प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा गया है।

राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लज्जा' में समाज के अलग-अलग परिवेशों से आने वाली तीन स्त्री पात्रों के दारुण शोषण और मुक्ति के संघर्ष को दर्शाया गया है। इनकी ही फिल्म 'दामिनी' में बलात्कार से पीड़ित घर की एक नौकरानी को न्याय दिलाने की कहानी को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आर.के. बैनर की फिल्मों में स्त्री: राजकपूर द्वारा निर्मित-निर्देशित फिल्मों में भी स्त्री जीवन और संघर्ष के विविध रूप सामने आते हैं। 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली' जैसी फिल्मों में जहां नारी के संघर्ष की अलग-अलग दास्तानें दिखती हैं, वहीं 'प्रेमरोग' में आभिजात्य परिवार की विधवा युवती का विवाह सामान्य वर्ग के युवक से करवाकर सामाजिक विषमता को मिटाने की पहल की गई।

बी.आर. चोपड़ा की फिल्मों में स्त्री संघर्ष: फिल्मों में नारी की स्थिति का चित्रण करने में बी. आर. चोपड़ा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। 1956 में उन्होंने फिल्म 'एक ही रास्ता' में विधवा विवाह करवाकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया। 'साधना' (1958) समाज में वेश्याओं की स्थिति और उसके प्रति सामाजिक नजरिए पर प्रकाश डालने में सफल रही। साल 1959 में उन्होंने अविवाहित मातृत्व की समस्या से जूझने वाली स्त्रियों के जीवन के बिखराव और उसकी परिणति को दर्शाने वाली सशक्त फिल्म 'धूल का फूल' का निर्माण किया। 'इंसाफ का तराजू' (1980) में बलात्कार से पीड़ित लड़की की कहानी को साहसिक रूप से प्रस्तुत किया। 1982 में फिल्म 'निकाह' में उन्होंने तलाक और हलाला जैसे विषयों को छूने का प्रयास किया।

नारी संघर्ष की दास्तान सुनाती कुछ और फिल्में: बॉलीवुड में स्त्रियों के संघर्ष और नारी सशक्तिकरण पर तमाम बेहतरीन फिल्में बनी हैं। 'खून भरी मांग', 'मृत्युदंड', 'वारिस', 'थप्पड़', 'कहानी', 'लापता लेडीज', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'नीरजा', 'क्वीन', 'गुलाब गैंग', 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'पिंक', 'दंगल', 'छपाक', 'मर्दानी', 'गुंजन सक्सेना' जैसी कितनी ही फिल्में हैं, जो स्त्री संघर्ष, स्त्री सशक्तिकरण सहित स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को छूती हैं। *